

दैनिक  
National  
Education Day

# साध्य प्रकाश

संस्थापक - स्व. सुरेन्द्र पटेल

भोपाल की धड़कन



वर्ष 53 / अंक 100 / पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

भोपाल, शनिवार 11 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित

■ आरएनआई 22296/71 ■ डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

dainiksandhyaprakash.in



₹450 में  
सिलेंडर इस बाट

धार में बोले अमित शाह

## आदेश सोनिया का, निर्देश कमल नाथ और चांदा दिग्विजय को लगा देते हैं

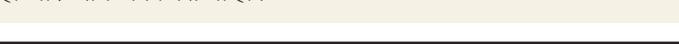
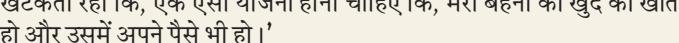
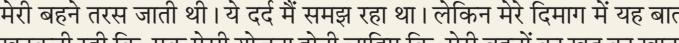
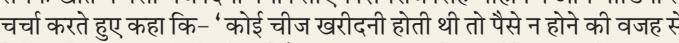
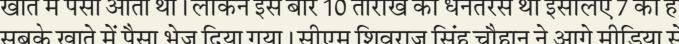
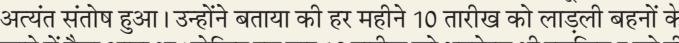
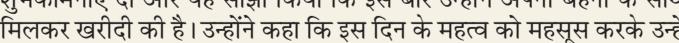
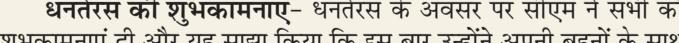
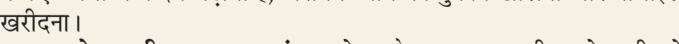
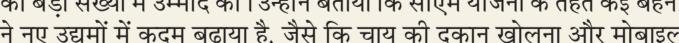
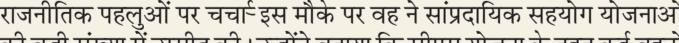
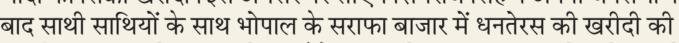
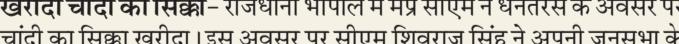
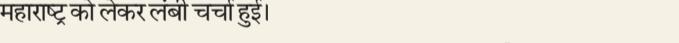
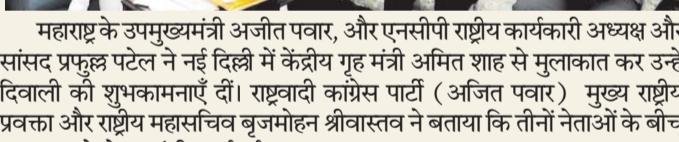
धारा। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज ममार, बदनाम और धार में आमसभा को संबोधित करने हुए हैं। ममार ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में 3 परिवार हैं, पल्लो कमल नाथ का, बटाधार दिग्विजय का, तीसरा है राहुल और सोनिया गांधी का गांधी परिवार। हांगेर यहां कहा जाता है कि तीन तिगाड़ा, काम बिगाड़ा। यहां आदेश गांधी परिवार का चलता है, निर्देश कमल नाथ का चलता है और गलती होने पर चांदा दिग्विजय सिंह को लगा देते हैं। ये कपड़ा काढ़ राजनीति मध्य प्रदेश का भला नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा कि कमल नाथ को कांग्रेस ने

यहां अपना नेता बनाया है। लेकिन वो आपके भले के लिए काम नहीं करते। क्योंकि उनके मन में है नकुल नाथ को मुख्यमंत्री बनाना और सोनिया गांधी जो के मन में है, राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना। जो अपने बैटे-बेटियों के लिए काम करते हैं वो देश और प्रदेश का कर्ता भला नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि इस बार मध्य प्रदेश 3 दीपावली मनाया। एक दीपावली कल मनाएंगे, दूसरी 3 दिवाल को यहां भाजपा सरकार बनने के बाद और तीसरी दीपावली आको 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मनानी है।

### साध्यप्रकाश विशेष







## बदलते मौसम के संकेत समझें



बदलता जलवायु और बदलता मौसम हमें कई गभार सकते दरहा हैं, परंतु फिर भी हम खुद को बदलने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। हम प्रकृति का आनंद तो उठाने तैयार रहते हैं, परंतु पर्यावरण को लेकर उठने गंभीर नहीं हो पाए हैं और न ही जागरूक। अधिकांश लोग तो केवल यही कहते सुनाई दे जाते हैं, हम कर ही क्या सकते हैं? और अकेले चाना क्या भाड़ फोड़ सकता है? लेकिन क्या यह सबाल हम खुद से नहीं कर सकते, हम अकेले ही सही, क्यों पहल नहीं कर सकते? भुगतान तो सभी को पड़ेगा और पड़ ही रहा है।

सही बात तो यह है कि पूरी दुनिया में इस समय हमारी सबसे बड़ी चिंता बदलती प्रकृति और पर्यावरण को लेकर ही होनी चाहिए, शायद तभी आने वाले समय में हम कुछ गंभीर कदम उठा सकें। लगातार आ रही खबरों के अनुसार लीबिया, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और अभी ब्राजील, इन सबमें बड़ी की विभिन्निका देखी जा चुकी है। और हिमालय क्षेत्र में हिमस्खलन - भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इस तरह की घटनाएं हमें यह तो बता ही रही हैं कि सबकुछ ठीक नहीं है।

यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम अभी तक इनको समझ नहीं पा रहे हैं। अक्टूबर-नवंबर में तापक्रम अब बदला हुआ-सा दिखता है। सर्दियों की शुरुआत ही चुकी है, लेकिन मुंबई व अन्य शहरों के लोग अभी भी जुलाई-अगस्त की गर्मी में जी रहे हैं। मुंबई में तो मौसम अलग ही रहता आया है। दिल्ली या देश के किसी भी कोने में जो औसत तापक्रम इन महीनों में होना चाहिए, वह उससे ऊपर ही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की उमस और तापक्रम को चेट बल्ब तापक्रम कहा जाता है। इसका मतलब है ऐसी गर्मी जिसमें उमस हो और जो आप को असहज बना देती है। वैज्ञानिक भाषा में कहा जाता है कि इसकी सीमा प्रायः 26 से 30 के बीच में रहती है। और कभी-कभी ही यह 31 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंचती है। ये भी माना जाता है कि जब ये 32 से ऊपर पहुंच जाएं तो जीवन के लिए खतरनाक बन जाती है।

आईपीसीसी की रपट तो यह कह रही है कि अब हालात ऐसे होंगे कि हम गर्मियों को सर्दियों में भी देखेंगे और वो गर्मी उमस से भी भरी होंगी। यह सब बातें हम सुनते-देखते हैं और महसूस भी करते हैं लेकिन कभी गंभीर नहीं होते। हाल के दिनों में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के हालात को ही देखे। दिल्ली और आसपासे के शहरों में दमधोटू हवा ने हालात खराब करके रखी है। इसके दृष्टिरणाम क्या होंगे, इसकी चिंता कुछ पर्यावरणियों में जरूर पर ही है, लेकिन आम आदमी इस चिंता से बहुत दूर है। रोजाना की हमारी गतिविधियां हमें अच्युतांशों से मुक्त रखती हैं, क्योंकि हमारी तात्कालिक रुचि नौकरी-पेशा से जुड़ी होती है। हर आदमी केवल इसी में लगा रहता है कि ये हमारा विषय नहीं है। हमारी अपनी इनी समस्याएं हैं, उनमें कौन मदद करता है?

सही बात तो यह है कि हमारे लिए आने वाले समय की चिंता का कम से कम प्रकृति और पर्यावरण की दृष्टिकोण से कोई महत्व नहीं है।

विज्ञानी रस्टें तो यही कहती है कि आने वाले समय में हम और

वीमारियों की चपेट में आ जाएंगे, जैसे कोविड ने हमें व्यथित किया था।

यह भी माना जा रहा है कि एशिया में आने वाले समय में अगर स्थितियां ये ही रहीं तो करीब सन् 2050 तक 20 प्रतिशत क्षेत्र पूरी तरह सूखे में चले जाएंगे। वो इसलिए भी होगा कि हम बदलते पर्यावरण के प्रति गंभीर नहीं हैं।

और विशेषज्ञ यह भी कह रहे हैं कि जीडीपी, जो कि विकास का हमारा मूल मंत्र है, वो 2100 के अंत तक करीब 92 प्रतिशत नीचे सिर्फ इसलाएं चली जाएंगी क्योंकि प्रकृति-पर्यावरण हमारा साथ नहीं देंगे।

ये आंकड़े इशारा करते हैं कि जिस विकास के लिए हम आज जूझ रहे हैं और जिसके लिए हमने पर्यावरण की अनदेखी की है, वही कल दुष्प्राणियों के साथ हापोरी चीच होगा। कितनी अजीब बात है कि जब इस तरह की परिपरत परिस्थितियां होती हैं तो हम उनका आकलन पैसों में ही करते हैं। जब कोविड आया था तो ही चर्चाएं सबसे प्रमुख थीं। एक कि कितने लोगों का देहांत इससे हुआ और दूसरा हमारी जीडीपी किननी पाताल में पहुंचे। लेकिन कारणों में ही हमने कभी ज्ञानकोश की ओर चला जाए।

और जिसके लिए हमने पर्यावरण की अनदेखी की है, वही कल दुष्प्राणियों के साथ हापोरी चीच होगा। कितनी अजीब बात है कि जब इस तरह की परिपरत परिस्थितियां होती हैं तो हम उनका आकलन पैसों में ही करते हैं। जब कोविड आया था तो ही चर्चाएं सबसे प्रमुख थीं।

एक कि कितने लोगों का देहांत इससे हुआ और दूसरा हमारी जीडीपी किननी पाताल में पहुंचे। लेकिन कारणों के रूप में क्यों हैं?

एक कि जब कोविड जीडीपी से लेकर पूरे अर्थव्यवस्था ही हमारे पर्यावरण और पूरी जलवायु पर निर्भर होती है। हम इसे नकारने पर ही तुले हुए हैं। प्रकृति जब अपना गैरू रूप दिखाती है, तभी हम थोड़ा समझने और सम्झने के प्रयास करते हैं, बाकी तो अपनी आंखें मूँदकर अपने व्यक्तिगत मुद्दों में ही उलझे रहते हैं।

एक प्रश्न तो कुछ गिने-चुने जागरूक लोग अवश्य उठा रहे हैं कि आज अगर दुनिया से पानी घट रहा है या फिर हवा-मिट्टी खराब हो चुकी हो, तो ये सब कहीं ठीक उस तर्ज में आंकड़ों के रूप में क्यों नहीं दर्ज होता, जिस तर्ज में हम गिरती-बढ़ती अर्थिकी को जीडीपी के रूप में मापते हैं? जबकि जीडीपी से लेकर पूरे अर्थव्यवस्था ही हमारे पर्यावरण और पूरी जलवायु पर निर्भर होती है। हम इसे नकारने पर ही तुले हुए हैं। प्रकृति जब अपना गैरू रूप दिखाती है, तभी हम थोड़ा समझने और सम्झने के प्रयास करते हैं, बाकी तो अपनी आंखें मूँदकर अपने व्यक्तिगत मुद्दों में ही उलझे रहते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडियॉडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्पलेक्स, एम्पारी नगर, जेन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एम्पारी नगर जेन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भरती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक — सिताना पटेल, स्थानीय संपादक — संजय सक्षेत्र, भौतिक भरत के तहत चिमेंटर। समस्त न्यायिक कानूनवाहिनी के लिए श्रेष्ठावधिकारी भरत के तहत चिमेंटर।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडियॉडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्पलेक्स, एम्पारी नगर, जेन-1, भोपाल से संपादित समस्त समाचार चन्द्र के लिए श्रेष्ठावधिकारी इंडियॉडेंट के तहत चिमेंटर। समस्त न्यायिक कानूनवाहिनी के लिए श्रेष्ठावधिकारी इंडियॉडेंट के तहत चिमेंटर।

## चुनावी त्यौहार, प्रचार में पौराणिक किरदार

## सर्वशुद्ध मिश्रा

मध्यप्रदेश के चुनावी प्रचार में हमेशा की तरह इस बार भी पौराणिक किरदारों की भरमार है। राम-लक्ष्मण, पांडव-कौरव, रावण-अहिरावण और कंस मामा सब चुनावी प्रचार में उत्तर गए हैं। इस बार भी पौराणिक किरदारों और जगद्गामी भरमारों की संरक्षित रूप से दृढ़ रहे हैं।

एमपी का चुनाव अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। चुनाव में युवाओं को भूमिका हमेशा से निर्णयकर ही है। इस चुनाव में भी 22 लाख युवा मतदाता पहली बार मतदाता करने जा रहे हैं। युवाओं का रुक्षान चुनाव के रुख का निर्धारण करेगा। एमपी में बीजेपी की ओर से नंदेंद मोदी और शिवराज के चर्चे हैं तो कांग्रेस की ओर से कमलनाथ और दिविजय सिंह के चर्चे हैं। प्रमुखता से सम्पादन हैं। जो युवा पहली बार मतदाता करने जा रहे हैं, उन्हें ज्यादातर समय भाजपा की सरकारों का अस्त्र बन जाता है। 'कश्मीर फाइल्स' और 'पैराणिक किरदारों का उपयोग' जैसी आपातकामों के लिए युवा बाल बड़ी बात है।

प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की सरकार का भाजपा द्वारा अपहण किए जाने की बात को चुनावी सभा में कर रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने एक धारा धर्मनिरपेक्षा के लिए चुनावी सभा में बीजेपी की ओर से नंदेंद मोदी और शिवराज के चर्चे हैं।

प्रियंका गांधी ने एक धारा धर्मनिरपेक्षा के लिए चुनावी सभा में बीजेपी की ओर से नंदेंद मोदी और शिवराज के चर्चे हैं।

प्रियंका गांधी ने एक धारा धर्मनिरपेक्षा के लिए चुनावी सभा में बीजेपी की ओर से नंदेंद मोदी और शिवराज के चर्चे हैं।

प्रियंका गांधी ने एक धारा धर्मनिरपेक्षा के लिए चुनावी सभा में बीजेपी की ओर से नंदेंद मोदी और शिवराज के चर्चे हैं।

प्रियंका गांधी ने एक धारा धर्मनिरपेक्षा के लिए चुनावी सभा में बीजेपी की ओर से नंदेंद मोदी और शिवराज के चर्चे हैं।

प्रियंका गांधी ने एक धारा धर्मनिरपेक्षा के लिए चुनावी सभा में बीजेपी की ओर से नंदेंद मोदी और शिवराज के चर्चे हैं।

प्रियंका गांधी ने एक धारा धर्मनिरपेक्षा के लिए चुनावी सभा में बीजेपी की ओर से नंदेंद मोदी और शिवराज के चर्चे हैं।

प्रियंका गांधी ने एक धारा धर्मनिरपेक्षा के लिए चुनावी सभा में बीजेपी की ओर से नंदेंद मोदी और शिवराज के चर्चे हैं।







# रूप चौदस आज.... राजनीति का रूप निखारने मैदान में उतरी, बुद्धि के साथ वोटर हो रहे रूप पर फिटा

**भोपाल।** इस बार दिवाली और चुनाव का संयोग है। दिवाली के द्वारा रूप चौदस का लोकर भी है। इस त्योहार को रूप निखारने के लिए जाना जाता है। जब रूप चौदस को सबसे पहले महिलाओं का बालबाला है। इस समय हर क्षेत्र में महिलाओं का बालबाला है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की राजनीति में भी कई खुल्सरूत महिलाएं हैं। ये महिलाएं चुनाव भी लड़ रही हैं। रूप चौदस और चुनाव के संयोग के मौके पर हम आपको तीनों प्रदाताओं की खुल्सरूत महिला नेताओं के बारे में बता रहे हैं।

रूप चौदस का तकिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है। इस साल रूप चौदस 11 नवंबर को मनाई जाएगी। रूप चौदस को छठी दिवाली, नरक चतुर्दशी, काली चौदस और नरक पूजा के नामों से भी जाना जाता है। इस दिन यमराज के लिए दीये जलाएं जाने का विधान है। कहा जाता है कि एक बार करने से हर तरह का भय खत्म हो जाता है। और परिवार की अकाल मृत्यु नहीं होती है। रूप चौदस के दिन संयाम के समय दीपक जलाएं जाते हैं और चारों ओर रोशनी की जाती है।

## छतीसगढ़....

भावना बोहरा- भावना बोहरा अभी जिला

पंचायत में सभापति हैं और महिला मोर्चा की संस्थान मंत्री हैं। छठीसगढ़ में वो बीजेपी की एक सक्रिय नेता के रूप में जानी जाती हैं। भावना छठीसगढ़ शतरंज संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ महिला विंग की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। पंडितार्या सीट से भावना बोहरा को बीजेपी ने प्रत्याशी बनाया है।

रेणा साह- धमतरी विधानसभा में 2018 के चुनाव में विजय हासिल करने वाली

आज एमपी दौरे पर केंद्रीय गृहमंत्री, इन विधानसभा सीटों में करेंगे प्रवारा

इंदौर। मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले, आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मालवा निमाड़ क्षेत्र में एक बार फिर से रेली का आयोजन किया है। इस दौरे के दौरान, अमित शाह बेटान क्षेत्र में जनसभा को

संबोधित करेंगे, जिसमें राजनीतिक उत्साह बढ़ाए जाएगा।

अधिकारी शह 11 नवंबर को मनाव, गंधवानी, बदानवार, और धर विधानसभाओं में जनसभा को संबोधित करेंगे। अमित शाह इंदौर से हेठोंकॉर्ट के साथ प्रस्थान करेंगे और मनावर में विशाल जनसभा का संबोधन करेंगे। इसके बाद उनका मनावर से जियावाद के लिए रथ रोडशो का आयोजन होगा। दोपहर बाद अमित शाह जियावाद के पक्ष में मंडी में जनसभा को संबोधित करेंगे, जहां भाजपा प्रत्याशी राजवर्धनीहंद दत्तेशंकर के लिए समर्पण जुटाने का प्रयास करेंगे। शाम 6 बजे बीं भाजपा प्रत्याशी नीना वर्मा के पक्ष में जनसभा को संबोधित करेंगे, जो नगर के मोती बाग चौक ज्योति मंदिर से रथ के माध्यम से आयोजित होगी।

जान से मारने की धमकी मिलने पर आप प्रत्याशी मो. सऊद ने कहा- हम डे वाले नहीं

भोपाल। भोपाल उत्तर से आप प्रत्याशी मो. सऊद ने जान से मारने की धमकी मिलने पर कहा है कि हम धमकियों से डेने वालों में से नहीं हैं, हम आप आदमी पार्टी के सिपाही हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के लोगों को अब हार का डर सता रहा है इंदौर एवं अब धमकियों दी जा रही हैं। जनता के लिए मैं हमेशा खड़ा हूं जानता का पास जानता हूं। जनता ने मौका दिया तो भोपाल उत्तर की सरी परेशानी दूर करेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के लोगों को अब हार का डर सता रहा है इंदौर एवं अब धमकियों दी जा रही हैं। जनता के लिए मैं हमेशा खड़ा हूं जानता का पास जानता हूं। जनता ने मौका दिया तो भोपाल उत्तर की सरी परेशानी दूर करेंगे।



रंजना साहूपप देवारा भरोसा जाते हैं हुए बीजेपी को टिकट दिया है। रंजना दीपेन्द्र साहू ने अपने राजनीतिक पारी की शुरुआत जनपद सदस्य के रूप में की पंचायत की अध्यक्ष बनी।

संयोगिता सिंह



जूदेव- छठीसगढ़ विधायक धन न स भा चुनाव 2023 के लिए बीजेपी ने संयोगिता सिंह जूदेव को साल 2018 के चुनाव में हार के बाद एक बार पिर से चंपुर से प्रत्याशी बनाया है। संयोगिता सिंह जूदेव की बड़ी और पूर्व बीजेपी के नेता संगीय युद्धवीर सिंह जूदेव को पती है।

## मध्यप्रदेश .....

विजयलक्ष्मी साधी- डॉ. विजयलक्ष्मी साधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की उम्मीदवार है।

साधी मध्यप्रदेश विधानसभा में महेशर का परिनिधित्व करती है। वे मध्य प दे श विधायक सभा में महेशर से विधायक हैं।

कृष्णा गौर- मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में पूर्व मुख्य मंत्री बबूलाल राहा का गढ़ की जाने वाली गोविंदगुरा विधानसभा पर इस बार भी उनकी बहू कृष्णा गौर चुनाव मैदान में है।

कृष्णा गौर बीजेपी से वर्तमान विधायक है।

रीति पाठक- बीजेपी ने नौकरी से संसद

सीट पाठक को प्रत्याशी से संसद

के अंतर से हारकर सीट जीती थी।

रक्षा राजपृथक्- कांग्रेस के रूप में खुरुंग विधानसभा सीट से रक्षा राजपूत के चुनाव में रुही गई थीं। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार के 1 लाख से ज्यादा वोटों के कहावर नेता भूंपेंद्र

रक्षा राजपृथक्- विधायक है। इसके पास रुही गई थीं।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर्य धर्मदेवी की पुरुष हैं। यहां उनका समाना बीजेपी ने उन्हें तो सीट से दूर कर दिया है।

रक्षा राजपृथक्- मनीषा पंवार- मनीषा पंवार अभी जोधपुर शहर से प्रत्याशी है। इस बार पिर से पाठी ने इसी सीट से उन्हें टिकट दिया है।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर्य धर्मदेवी की पुरुष हैं। यहां उनका समाना बीजेपी ने उन्हें तो सीट से दूर कर दिया है।

रक्षा राजपृथक्- मनीषा पंवार अभी जोधपुर शहर से प्रत्याशी है। इस बार पिर से पाठी ने इसी सीट से उन्हें टिकट दिया है।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर्य धर्मदेवी की पुरुष हैं। यहां उनका समाना बीजेपी ने उन्हें तो सीट से दूर कर दिया है।

रक्षा राजपृथक्- मनीषा पंवार अभी जोधपुर शहर से प्रत्याशी है। इस बार पिर से पाठी ने इसी सीट से उन्हें टिकट दिया है।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर्य धर्मदेवी की पुरुष हैं। यहां उनका समाना बीजेपी ने उन्हें तो सीट से दूर कर दिया है।

रक्षा राजपृथक्- मनीषा पंवार अभी जोधपुर शहर से प्रत्याशी है। इस बार पिर से पाठी ने इसी सीट से उन्हें टिकट दिया है।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर्य धर्मदेवी की पुरुष हैं। यहां उनका समाना बीजेपी ने उन्हें तो सीट से दूर कर दिया है।

रक्षा राजपृथक्- मनीषा पंवार अभी जोधपुर शहर से प्रत्याशी है। इस बार पिर से पाठी ने इसी सीट से उन्हें टिकट दिया है।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर्य धर्मदेवी की पुरुष हैं। यहां उनका समाना बीजेपी ने उन्हें तो सीट से दूर कर दिया है।

रक्षा राजपृथक्- मनीषा पंवार अभी जोधपुर शहर से प्रत्याशी है। इस बार पिर से पाठी ने इसी सीट से उन्हें टिकट दिया है।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर्य धर्मदेवी की पुरुष हैं। यहां उनका समाना बीजेपी ने उन्हें तो सीट से दूर कर दिया है।

रक्षा राजपृथक्- मनीषा पंवार अभी जोधपुर शहर से प्रत्याशी है। इस बार पिर से पाठी ने इसी सीट से उन्हें टिकट दिया है।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर्य धर्मदेवी की पुरुष हैं। यहां उनका समाना बीजेपी ने उन्हें तो सीट से दूर कर दिया है।

रक्षा राजपृथक्- मनीषा पंवार अभी जोधपुर शहर से प्रत्याशी है। इस बार पिर से पाठी ने इसी सीट से उन्हें टिकट दिया है।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर्य धर्मदेवी की पुरुष हैं। यहां उनका समाना बीजेपी ने उन्हें तो सीट से दूर कर दिया है।

रक्षा राजपृथक्- मनीषा पंवार अभी जोधपुर शहर से प्रत्याशी है। इस बार पिर से पाठी ने इसी सीट से उन्हें टिकट दिया है।

अर्जुन शाह- अर्जुन शाह अंतिम परिवर्तन के बड़े नेता आर